चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5-8

जताई इच्छा

जापान के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से की मुलाकात

जलवायु परिवर्तन, खाद्य उद्योग क्षेत्र में साथ काम करेंगे जापान व एचएयू

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है।

जापानी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चर, फॉरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने मंगलवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर चर्चा की तथा इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ चर्चा करते प्रो. सातोशी तोबिता। - अमर उजाला

कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रखरखाव के दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

एक-दूसरे का सहयोग करने पर दिया जोर

कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विदेशी मेहमान प्रो. सातोशी ने हकृवि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राइलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इन्यूबेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केंद्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा भी किया। उन्होंने प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... हरि भूमि .....

दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 30 कॉलम 2.5

जलवायु परिवर्तन पर हकृवि से सहयोग मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में हकृवि के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। जापानी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एण्ड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और इन क्षेत्रों में हकृवि के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रख रखाव दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हकृवि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राइलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इंन्यूबेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ चर्चा करते प्रो. सातोशी तोबिता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

कृषि उत्पादन में जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती

एचएयू और जापान एग्रीकल्चर रिसर्च सेंटर एक साथ मिलकर करेंगे काम

कुलपति केपी सिंह ने प्रो. तोबिता के प्रस्ताव का स्वागत किया

भास्कर न्यूज | हिसार

जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में एचएयू के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। जापानी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की। इस दौरान जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और इन क्षेत्रों में एचएयू के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने एचएयू के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राईलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इंन्यूबेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

एचएयू में मंगलवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ चर्चा करते हुए जापान से आए प्रो. सातोशी तोबिता।

फलों व सब्जियों को प्रिजर्व करने की जरूरत

खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रखरखाव के दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा। वीसी ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......

दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....8....

कुलपति प्रो. के.पी.सिंह के साथ चर्चा करते हुए प्रो. सातोशी तोबिता

हकृवि के साथ मिलकर काम करेगा जापान इंटरनैशनल रिसर्च सैंटर फार एग्रीकल्चरल साइंस

निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने की हकृवि कुलपति से मुलाकात

हिसार, 12 फरवरी (ब्यूरो): जापान इंटरनैशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है।

जापानी रिसर्च सैंटर के अंतर्गत इंटरनैशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हकृवि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राइलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनैस इन्क्यूबेशन सैंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 13 कॉलम 1-3

पहल | फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी ने एचएयू के कुलपति से की मुलाकात

जलवायु पर जापान संग शोध करेगा हकृवि

जागरण संवाददाता, हिसार : जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। जापानी रिसर्च सेंटर के तहत इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एंड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की। जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

सहमति

- जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने एचएयू के साथ काम करने की जताई इच्छा

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रख-रखाव के दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण और अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हकृवि के क्रॉप फिजियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राईलेंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इंन्यूबेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 12:2:2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा हैः कुलपति

जेआईआर सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने एचएयू के साथ मिलकर कार्य करने की कही बात

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। जापान इंटरनेशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंस ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य उद्योग के क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है। उपरोक्त जापानी रिसर्च सैंटर के अंतर्गत इंटरनेशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चर, फोरेस्ट्री एण्ड फिशरीज के निदेशक प्रो. सातोशी तोबिता ने यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ मुलाकात की तथा जलवायु परिवर्तन शमन और खाद्य उद्योग विषयों पर चर्चा की और इन क्षेत्रों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

कुलपति ने प्रो. तोबिता के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सहयोग के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन के लिए एक गंभीर चुनौती बन कर उभर रहा है। इसलिए इस चुनौती का शीघ्र समाधान करना बहुत आवश्यक है। इसी प्रकार खाद्यान्नों, फलों व सब्जियों के रख रखाव दौरान होने वाली भारी क्षति को कम करने के लिए इनके प्रसंस्करण एवं उत्पाद बनाने के लिए उद्योग की बहुत जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने से देश के किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

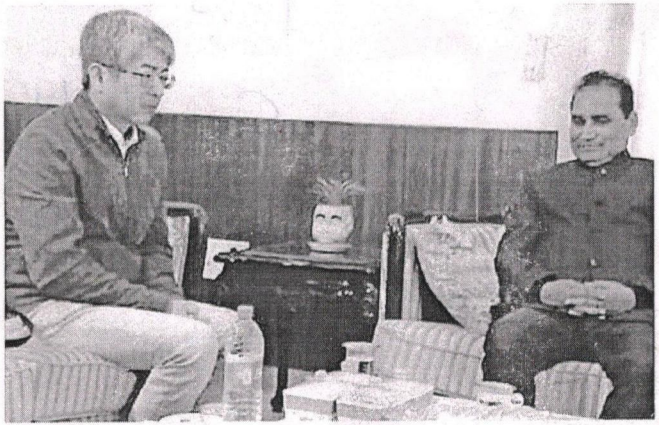

हिसार। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ चर्चा करते हुए प्रो. सातोशी तोबिता

कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षण व अनुसंधान पहलुओं में सहयोग करने के साथ फैकल्टी और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो. सातोशी ने हकृवि के क्रॉप फिज़ियोलॉजी, कृषि मौसम विज्ञान, एग्रोनॉमी व ड्राईलैंड अनुसंधान क्षेत्रों के अतिरिक्त एग्रीबिजनेस इन्यूबेशन सेंटर, कृषि पर्यटन केन्द्र, नेहरू पुस्तकालय आदि का दौरा किया और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 13.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

एचएयू व कैंब्रिज विवि के एक्सपर्ट ने दिखाई आगे बढ़ने की राह

वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय ने कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण शुरू किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंग्लैंड की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि डॉ. सहरावत ने कहा कि कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल 1.3 अरब भारतीयों के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है।

एचएयू में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं

प्रशिक्षण में शामिल हुए 30 कृषि स्नातक : वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें डिग्री के बाद स्वयं का व्यवसाय शुरू करने व कुशल उद्यमी बनने के लिए पारंगत किया जाएगा। कार्यक्रम में सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. जीत राम व डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. आरके नानवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. जगबीर रावत और डॉ. मीनाक्षी उपस्थित रहे।

युवाओं के पास जानकारी का अभाव

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं, मगर आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें तकनीक और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मविश्वास और कुशल उद्यमियों के रूप में उभरने के लिए यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण की रूपरेखा कृषि स्नातकों को नौकरी तलाशने वालों की नहीं बल्कि विद्यार्थियों को नौकरी देने वाले के रूप में तैयार करने के अनुरूप बनाई है। उन्होंने कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 13:2:2019 पृष्ठ सं. .....6..... कॉलम .....6:8.....

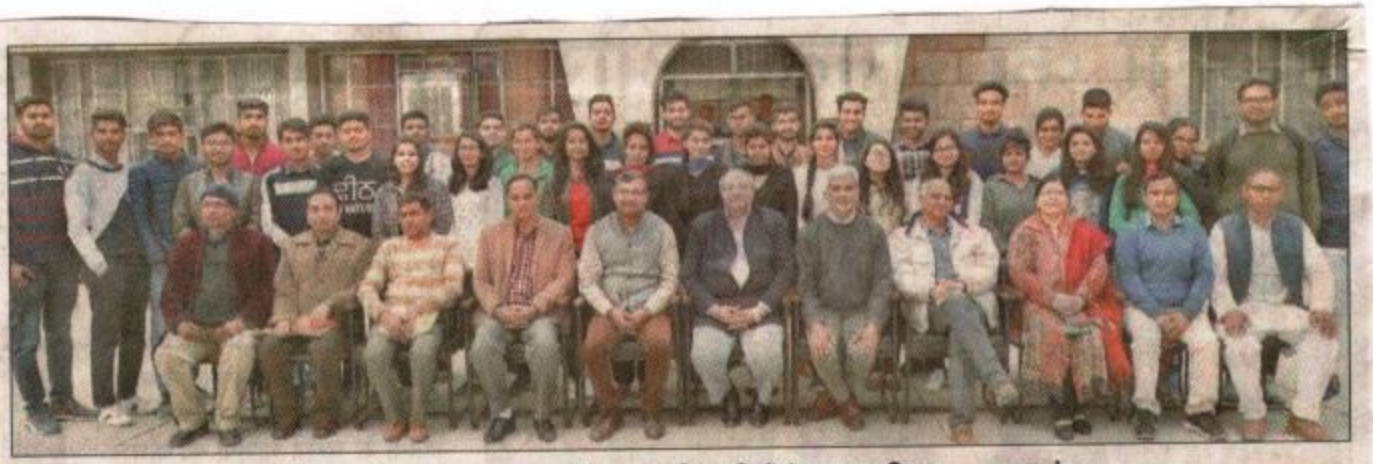

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं। - अमर उजाला

कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण : डॉ. सहरावत

अमर उजाला ब्यूरो

एचएयू में कृषि उद्यमिता विषय पर शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से मंगलवार को छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमिता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जबकि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंग्लैंड की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि डॉ. सहरावत ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षणों द्वारा युवा कृषि विद्यार्थियों में नए विचारों को मूर्त रूप प्रदान किया जा सकता है। बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीयों के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, बल्कि उत्पादन, रोजग़ार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश बेरोजग़ार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं, लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं। उन्हें तकनीक और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं।

30 विद्यार्थी ले रहे भाग

वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें डिग्री के बाद स्वयं का व्यवसाय शुरू करने व कुशल उद्यमी बनने के लिए पारंगत किया जाएगा। कार्यक्रम में सह निदेशक छात्र कल्याण डॉ. जीतराम व डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. आरके नानवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. जगबीर रावत और डॉ. मीनाक्षी उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......
दिनांक 13 : 2 : 2019 पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....1-3....

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण जरूरी : सहरावत

अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं

हिसार, 12 फरवरी (ब्यूरो): चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर 2 सप्ताह का प्रशिक्षण आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत मुख्य अतिथि थे। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंगलैंड की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफैसर डा. मदन थंगवलू इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि डा. सहरावत ने कार्यक्रम में बोलते हुए कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफैसर डा. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए रोजगार संबंधी किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डा. संदीप आर्य ने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में सहनिदेशक छात्र कल्याण डा. जीत राम व डा. ओमेन्द्र सांगवान, डा. आर.के. नानवाल, डा.पवन कुमार, डा. जगबीर रावत और डा. मिनाक्षी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स........
दिनांक 12.2.2019 पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....2-6....

जानकारी | हकृवि में कृषि उद्यमिता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण शुरू

युवाओं के लिए कृषि में रोज़गार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश : डॉ. सहरावत

हिसार। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण आरंभ हुआ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंग्लैंड की कैंब्रिज यूनिवर्स्टी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि डॉ. सहरावत ने कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया। उन्होंने कहा ऐसे प्रशिक्षणों द्वारा युवा कृषि विद्यार्थियों में नए विचारों को मूर्त रूप प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कृषि संकाय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के लिए आयोजकों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीयों के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है।

कैंब्रिज यूनिवर्स्टी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. मदन थंगवलू ने कहा कि अधिकांश बेरोज़गार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें तकनीक और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मविश्वास और कुशल उद्यमियों के रूप में उभरने के लिए यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण की रूपरेखा कृषि स्नातकों को नौकरी तलाशने वालों की नहीं बल्कि विद्यार्थियों को नौकरी प्रदाताओं के रूप में तैयार करने के अनुरूप बनाई गई है। उन्होंने कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए रोजगार संबंधी किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी तथा प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 30 कृषि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें डिग्री उपरांत स्वयं का व्यवसाय शुरू करने व कुशल उद्यमी बनने के लिए पारंगत किया जाएगा। कार्यक्रम में सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. जीत राम व डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. आर.के. नानवाल, डॉ.पवन कुमार, डॉ. जगबीर रावत और डॉ. मिनाक्षी उपस्थित थे।